जिस्मानी रिश्तों की चाह -17

"'अच्छा जी तो मेरे सोहने भाई की कहाँ-कहाँ नज़र पड़ी है.. और क्या-क्या देखा है जनाब ने.. अपनी सग़ी बाजी और सग़ी खाला का ?' आपी ने ये कह कर सोफे से पाँव उठाए और टाँगें सीधी करते हुए पाँव ज़मीन पर टिका दिए। ..."

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: शुक्रवार, जुलाई 1st, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -17

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -17

सम्पादक जूजा

अब तक आपने पढ़ा..

आपी आधी लेटी आधी बैठी हुई सी हालत में सोफे पर पड़ी थीं और पाँव ज़मीन पर थे। उनकी टाँगें थोड़ी खुली हुई थीं.. मैंने अपना सीधा हाथ उठाया और थप्पड़ के अंदाज़ में ज़ोर से अपनी सग़ी बहन की टाँगों के दरमियान मारा और फ़ौरन भागा..

अब आगे..

फ़ौरन ही आपी के हँसने की आवाज़ पर मैं घूमा.. तो आपी बेतहाशा हँस रही थीं और उनके चेहरे पर जीत की खुशी थी।
उन्होंने हँसते-हँसते ही कहा- कमीने तुमने बदला ले लिया है.. यह अलग बात है कि इसका नुक़सान मुझे हुआ ही नहीं.. लेकिन हिसाब बराबर हो गया है। अब तुम दूसरी कोशिश नहीं कर सकते समझ गए ?

‘ओके मेरा वादा है कि दोबारा कोशिश नहीं करूँगा हिसाब बराबर..’

मैंने कन्फ्यूज़ और कुछ ना समझ आने वाली कैफियत में जवाब दिया।

आपी ने मुझे कन्फ्यूज़ देखा तो मेरी कैफियत को समझते हुए और मेरी हालत से लुत्फ़-अंदोज़ होते हुए कहा- उल्लू के चरखे.. कन्फ्यूज़ ना हो.. मैं महीने से हूँ और शुरू के और आखिरी दिनों में मेरा बहुत हैवी फ्लो होता है इसलिए में डबल पैड लगाती हूँ.. आज आखिरी दिन है.. समझे बुद्धू..’

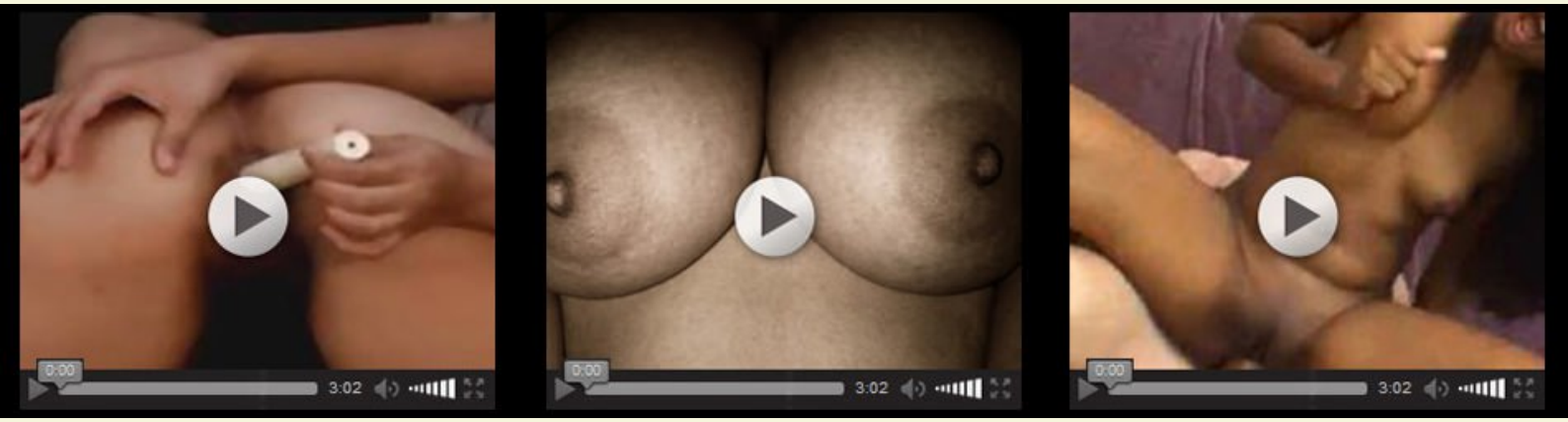

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह कह कर उन्होंने एक नज़र मुझ पर डाली और फिर खिलखिला कर हँस पड़ीं.. क्योंकि मेरी शक्ल ही ऐसे हो रही थी।
मेरी हालत उस शख्स जैसी थी जैसे भरे बाज़ार में किसी गंजे के सिर पर कोई एक चपत रसीद करके भाग गया हो।

आपी ने मुझे वॉर्निंग देते हुए कहा- मैंने भी तुमसे एक बात का बदला लेना है मैं भूली नहीं हूँ उस बात को..
मैंने पूछा- कौन सी बात ?
आपी ने जवाब दिया- मैं सही टाइम पर ही बदला लूँगी.. अभी नहीं.. देखो शायद वो टाइम आ जाए और हो सकता है कि ऐसा टाइम कभी ना आए।

मैं कुछ देर खड़ा रहा.. फिर झेंपी सी हँसी हँसते हुए.. सिर खुजाते किचन में चला गया और आपी भी उठ कर अपने कमरे की तरफ चली गईं।

लेकिन मैंने देखा था आपी के चेहरे पर अभी भी शैतानी मुस्कुराहट सजी थी।

मैंने पानी पीकर कमरे में ले जाने के लिए जग भरा और किचन से निकला तो आपी भी अपने कमरे से बाहर आ रही थीं।
वो अभी-अभी मुँह हाथ धोकर आई थीं.. उनका चेहरा बहुत बहुत ज्यादा खूबसूरत और फ्रेश लग रहा था।

उन्होंने क्रीम रंग का स्कार्फ जिस पर बड़े-बड़े लाल फूल थे.. बहुत सलीक़े से अपने मख़सूस अंदाज़ में सिर पर बाँध रखा था।
क्रीम रंग की ही कॉटन की कलफ लगी क़मीज़ थी और उस पर भी लाल रंग के बारे बारे फूल थे।
सफ़ेद कॉटन की सादा सी सलवार थी।

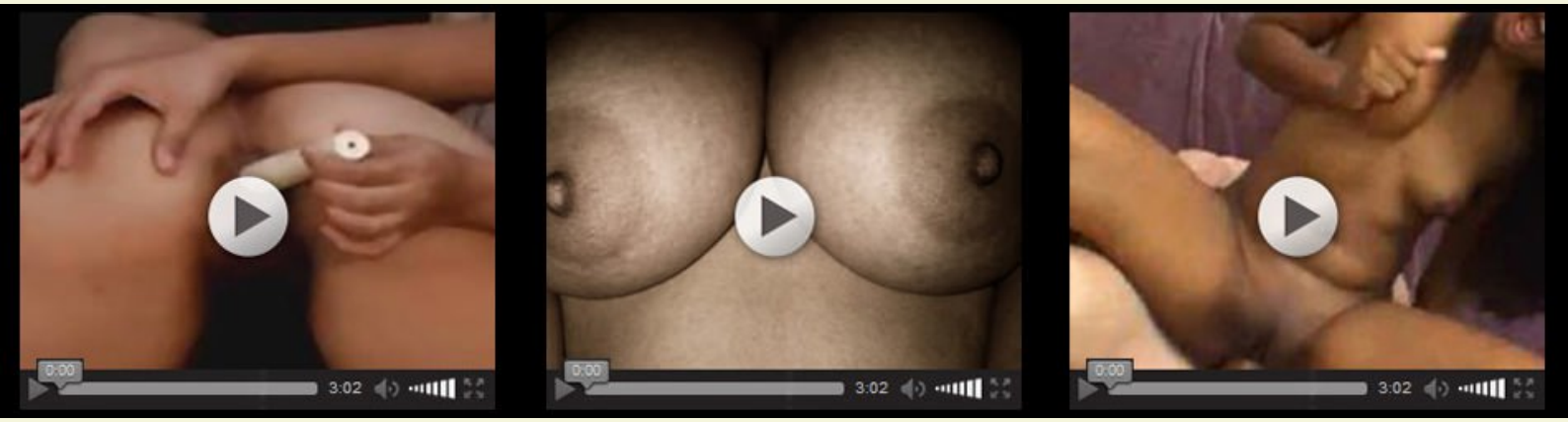

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी ने अपने जिस्म के गिर्द ग्रे कलर की बड़ी सी चादर लपेट रखी थी.. वो नंगे पाँव थीं। उनके गोरे पाँव मैरून कार्पेट पर बहुत खिल रहे थे।

'आपी आप इस सूट में बहुत ज्यादा हसीन लग रही हैं..' मैंने भरपूर नज़र आपी पर डालते हुए कहा।
'अच्छा अभी तो तुमने सही तरह से सूट देखा ही कहाँ है.. चलो तुम भी क्या याद करोगे.. देख लो..' ये कहते हुए आपी ने अपनी चादर उतारी और अपने बाज़ू पर लटका दी।

आपी के चादर हटते ही उनके बड़े-बड़े मम्मे मेरी नजरों के सामने थे। आपी की ये क़मीज़ भी उनकी बाक़ी सब कमीजों की तरह टाइट थी और आपी के मम्मे उनमें बुरी तरह से दबे हुए थे।
ब्रा का रंग नहीं मालूम पड़ रहा था.. लेकिन गौर से देखने पर पता चलता था.. जहाँ-जहाँ ब्रा का कपड़ा मौजूद था.. वहाँ-वहाँ से क़मीज़ का रंग गहरा हो गया था और ब्रा की शेप और डिजाइन वज़या नज़र आ रहा था।
ब्रा ही की वजह से निप्पल बिल्कुल छुप गए थे और उनका निशान भी नहीं नज़र आता था।

'यार आपी.. ये इतने ज्यादा दबे हुए हैं, इतना टाइट होने से इनमें दर्द नहीं होता क्या ?' मैंने अपनी सग़ी बहन के सीने के उभारों पर ही नज़र जमाए हुए उनसे पूछा।

'अरे नहीं यार.. अब आदत हो गई है बिल्कुल भी महसूस नहीं होता.. लेकिन जब ब्रा पहनना शुरू किया था.. तो उस वक़्त मैं बहुत तंग होती थी.. ब्रा ना पहनने पर रोज़ ही अम्मी से डांट पड़ती थी और उस वक़्त ब्रा से बचने के लिए ही मैंने बड़ी सी चादर लेनी शुरू की थी.. जो बाद में मेरी आदत ही बन गई।'

आपी ने यह कह कर मेरे हाथ से जग लिया और जग से ही मुँह लगा कर पानी पीने लगीं। पानी पीकर वो सोफे के तरफ बढ़ीं.. तो मैंने कहा- आप यहीं रहना.. मैं पानी कमरे में रख कर

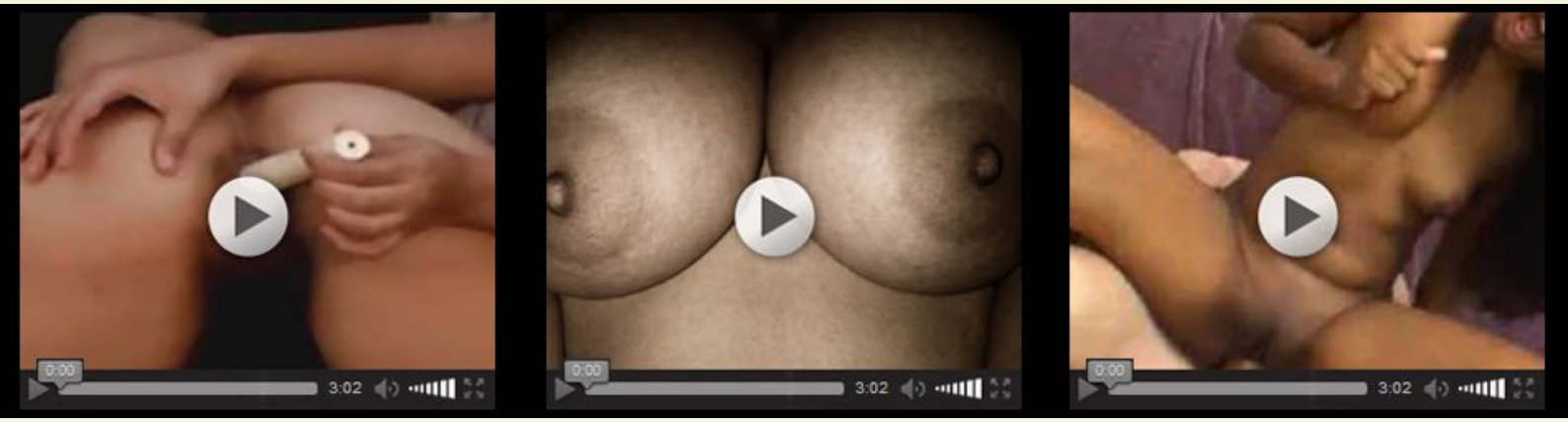

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आता हूँ।

मैं कमरे में पहुँचा तो फरहान सो रहा था।
मैंने उसके पास पानी रखा और बाहर निकल कर दरवाज़ा बंद करते हुए.. मैंने बाहर से लॉक भी कर दिया।

जब मैं वापस नीचे हॉल में पहुँचा तो आपी सोफे पर अपने पाँव कूल्हों से मिलाए और घुटने सीने से लगा कर घुटनों पर अपनी ठोड़ी टिकाए बैठी थीं।

आपी ने दोनों बाजुओं को अपनी टाँगों से लपेट रखा था.. उनकी चादर और स्कार्फ दोनों ही नीचे कार्पेट पर पड़े थे।

मैंने उनके बिल्कुल सामने.. ज़मीन पर बिछे कार्पेट पर बैठ कर पूछा- तो फिर आपने ब्रा कैसे पहनना शुरू की ?

'बाजी को पता था कि मैं ब्रा नहीं पहनती हूँ.. और इस बात को सबसे छुपाने के लिए बड़ी सी चादर लिए रखती हूँ.. तो उन्होंने ही मुझे समझाया था कि ब्रा ना पहनने से ये लटक जाएंगे और इनकी शेप भी खराब हो जाएगी और ब्रेस्ट कैन्सर जैसी बीमारी भी लग सकती है वगैरह वगैरह..'

अब मैं आपसे बाजी का तवारूफ भी करवा दूँ.. हम अपनी सबसे बड़ी बहन जिनका नाम समीना है.. उनको बाजी कह कर बुलाते हैं। वो आपी से 7 साल बड़ी हैं।
उनकी शादी 4 साल पहले हुई थी उनके शौहर उनके साथ यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे.. वहाँ ही उनका लव हुआ.. लेकिन शादी दोनों के घरवालों की मर्ज़ी से हँसी खुशी हुई थी और अब बाजी अपने सुसराल वालों के साथ लाहौर में रहती हैं।
बाक़ी की तफ़सील उस वक़्त बताऊँगा.. जब वो हमारी कहानी में शामिल होंगी। तब तक

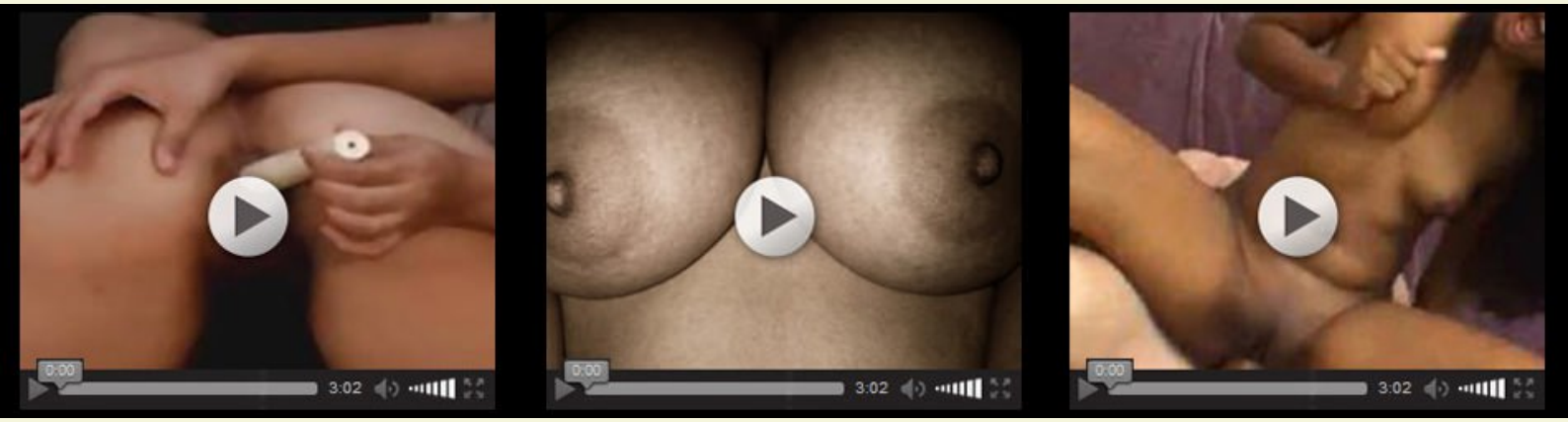

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

के लिए इन्तजार कीजिए।

‘उस वक़्त क्या उम्र थी आपकी ?’ मैंने पूछा।
आपी ने अपनी आँखें छत की तरफ़ कर के सोचते हुए कहा- मैं उस वक़्त तकरीबन 13 साल की थी।

आपी की बात खत्म होते ही मैंने एक और सवाल कर दिया- आपी आपके दूध किस उमर में निकले थे कि आपको 13 साल की उम्र में ब्रा की जरूरत पड़ गई।

‘गुठलियाँ सी तो 10 साल की उम्र में ही बन गई थीं और 12 साल की उम्र में साफ नज़र आने लगी थीं और 13 साल में तो फुल डवलप हो चुके थे। मैंने पहली बार ब्रा 32सी साइज़ का पहना था। तभी तो अम्मी डांटा करती थीं कि मामू वगैरह घर आते थे.. तो अम्मी को शर्म आती थी।

‘इतनी जल्दी निकल आते हैं क्या दूध ?’ मैंने हैरत से पूछा।

आपी ने कहा- नहीं हर किसी के साथ ऐसा नहीं होता.. नॉर्मली तो 13 साल की उम्र में गुठलियाँ ही होती हैं.. लेकिन हम लोगों का ये खानदानी सिलसिला है। बाजी और सलमा खाला के भी 10 साल की उम्र में शुरू हो गए थे और नानी बताती हैं कि अम्मी के और उनके अपने तो 10 साल की उम्र में इतने बड़े थे.. जितने हमारे 13 साल की उम्र में थे.. और उन दोनों की ही गुठलियाँ तो 7 साल की उम्र में ही बन गई थीं.. इसी लिए तो सब के इतने बड़े-बड़े हैं। तुमने भी नोटिस किए ही होंगे.. मैं जानती हूँ कि तुम बहुत बड़े कमीने हो।

आपी ने ये कहा और मुझे देख कर शरारती अंदाज़ में मुस्कुराने लगीं।
मैंने फ़ौरन कहा- नहीं आपी.. आपकी कसम मैंने कभी नानी या अम्मी के बारे में ऐसा कुछ नहीं सोचा।

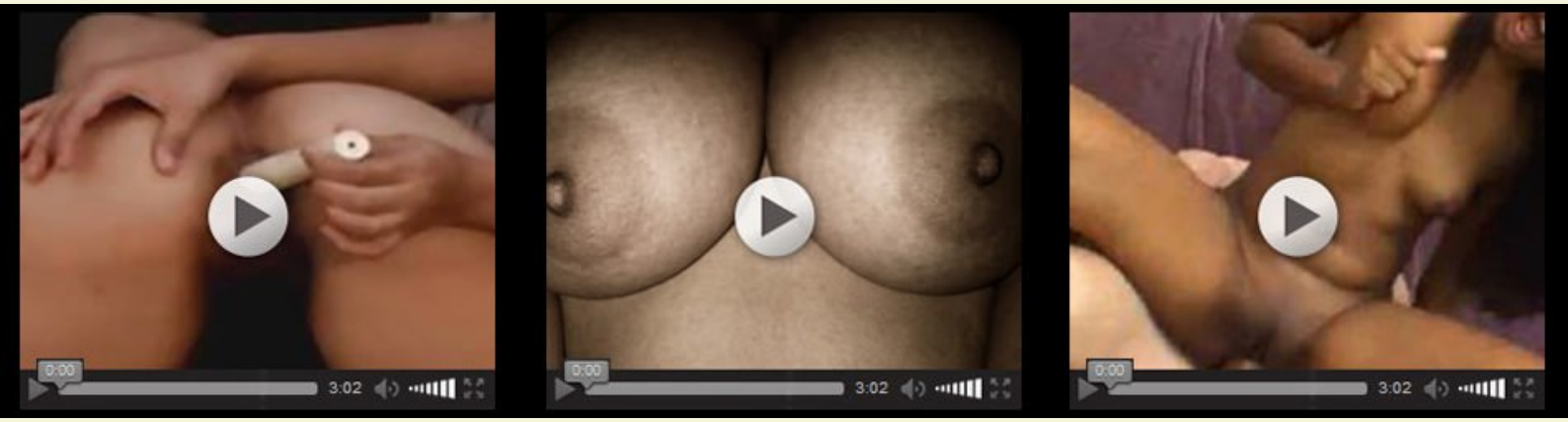

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अच्छा इसका मतलब है बाजी और सलमा खाला के बारे में सोचा है.. हाँ.. !’
‘आपी आपको तो पता है.. एक तो बाजी का जिस्म इतना भरा-भरा है.. और बाजी और खाला आपकी तरह चादर लेना तो दूर की बात.. हमारे सामने दुपट्टे तक का ख़याल नहीं करती हैं। बाजी तो शादी के बाद से अपने आपसे बिल्कुल ही लापरवाह हो गई हैं। आप जानती ही हैं.. गले इतने खुले होते हैं कि कभी ना कभी नज़र पड़ ही जाती है।’

मैं ये कह कर नीचे देखने लगा और नाखून से कार्पेट को खुरचने लगा।

‘अच्छा जी तो मेरे सोहने भाई की कहाँ-कहाँ नज़र पड़ी है.. और क्या-क्या देखा है जनाब ने.. अपनी सग़ी बाजी और सग़ी खाला का ?’ आपी ने ये कह कर सोफे से पाँव उठाए और टाँगें सीधी करते हुए पाँव ज़मीन पर टिका दिए।

मैंने जवाब देने के लिए चेहरा ऊपर उठाया तो आपी के घुटने मेरे चेहरे के बिल्कुल सामने थे और दोनों घुटनों के दरमियान मुझे काफ़ी गहराई में आपी की टाँगों के दरमियान सिर्फ़ अंधेरा दिखाई दिया बस..
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मेरी नजरों को अपनी टाँगों के दरमियान महसूस करके आपी ने अपने घुटनों को थोड़ा और खोला और अपनी क़मीज़ के दामन को सामने से हटा कर रान की बाहर वाली साइड पर कर दिया और बोलीं- क्या ढूँढ रहे हो.. ?? अरे खून आना बंद हो गया था इसलिए मैं जब मुँह हाथ धोने गई तो पैड भी निकाल दिए थे। बताओ ना.. क्या-क्या देखा है तुमने बाजी और खाला का ?’

आपी की टाँगों के दरमियान से उनकी सलवार का बहुत सा हिस्सा गीला हो चुका था.. पता नहीं उनको इन बातों में ही इतना मज़ा आ रहा था या मेरी नजरें अपनी टाँगों के दरमियान महसूस करके वो गीली हो गई थीं।

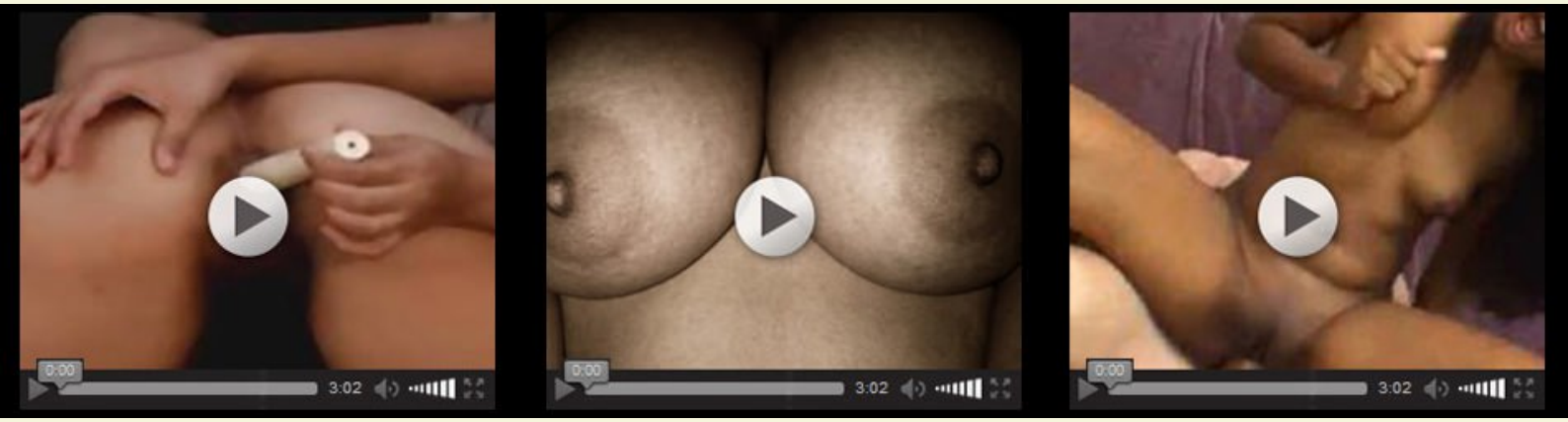

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अब बोल भी दो और पहले बाजी का बताओ..’
आपी की आवाज़ मैं बहुत बेताबी थी।

वाकिया जारी है।

avzooza@gmail.com

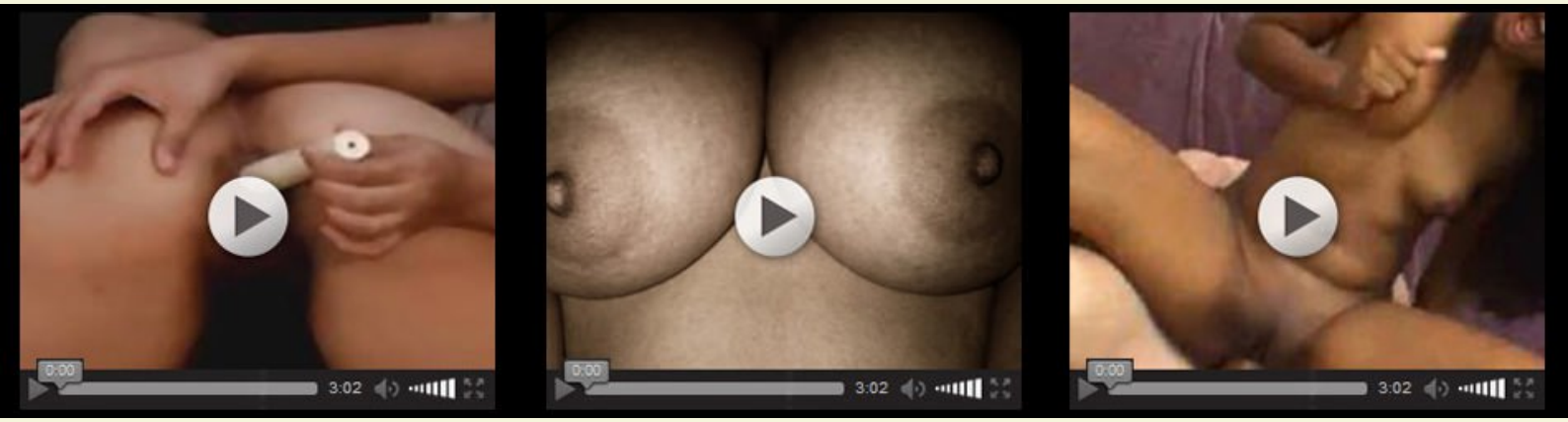

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Porn Videos

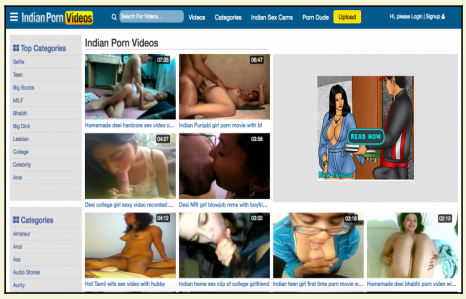

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Velamma

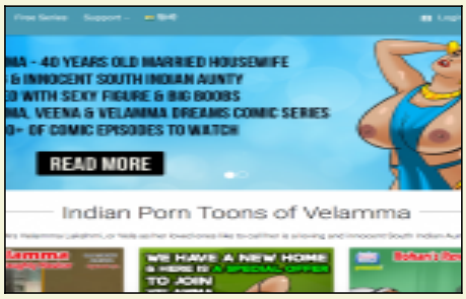

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Tanglish Sex Stories

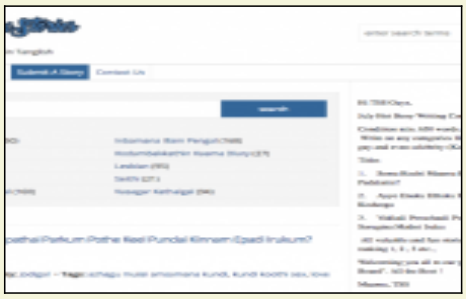

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Antarvasna Sex Videos

URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire